**हिन्दी‌ पर कुछ विशेष:**

भारतीय बाजार में हिन्दी की लोकप्रियता से प्रभावित होकर आज दक्षिण कोरिया, जापान , चीन आदि देशों से संबन्धित बहुत सारी बहुराष्ट्रीय कम्पनियां अपने यहाँ हिन्दी को प्रसारित करने में लगी हुई हैं ।

हिन्दी विदेशों में जैसे - दक्षिण कोरिया के बुसान और सियोल युनिवर्सिटी, पेइचिंग, त्रिनिनाद, इटली, बेल्जियम, स्पेन, तुर्की, रूस वगैरह की यूनिवर्सिटी में भली‌ प्रकार पढ़ाई जा रही है । अमेरिका के भी येले, न्यूयार्क, विनकांसन विश्वविद्यालयों में पढ़ाना जारी है ।

यदि हम आज अपने देश में भी अवलोकन करें तो यह पाएंगे कि मात्र अंग्रेजी में पारंगत व्यक्ति से कहीं ज्यादा वह व्यक्ति सफल है जो अंग्रेजी एवं हिन्दी दोनो का औसत ज्ञान रखता है ।

अब मैं आप सभी का ध्यान ऐसे महान व्यक्तियों की‌ ओर आकर्षित करता हूँ जो विदेशी धरती पर हिन्दी भाषा के प्रचार - प्रसार में जुड़े ही नही बल्कि प्रसिद्धिओं की बुलन्दी पर हैं ।

तो आप सभी से यह आग्रह है कि झिझक छोड़िए और राजभाषा को उचित स्थान पर स्थापित करने में सहयोग दें ।

**विदेशी‌ धरती पर हिन्दी के प्रचार - प्रसार में ख्याति प्राप्त कुछ महानुभाव -**

**1. फादर कामिल बुल्के (1909-1982) बेल्जियम:**

इन्जिनीयरिंग के छात्र

सेंट जेवियर कालेज साँची‌ के स्कूल में‌ अध्यापन तथा हिन्दी एवं‌ संस्कृत के विभागाध्यक्ष

अंग्रेजी‌के साथ हिन्दी, ब्रज, अवधी एवं संस्कृत भाषा का ज्ञान

राम कथा पर प्रमाणिक शोध, हिन्दी‌- अंग्रेजी शब्द कोश की रचना

हिन्दी‌ की‌ उत्कृष्ट सेवा हेतु देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्मभूषण

**2. डा. जार्ज अब्राहम ग्रियर्सन (1851-1941) आयर्लैन्ड:**

इंडियन सिविल सर्विस के आफिसर भारत में पदस्थापना

भाषाओं का एक परिवार (लिंग्विस्टिक सर्वे आफ इंडिया) जैसी ऐतिहासिक कृति

खड़ी बोली‌ हिन्दी का ज्ञान थथा कई पाठ्य - पुस्तकॊ की‌ रचना

इनकी‌याद में सरकार द्वारा डा. जार्ज ग्रियर्सन पुरस्कार की स्थापना

**3. रोनाल्ड स्टुअर्ट मेक्ग्रेगार (84 साल) न्यूजीलैन्ड:**

हिन्दी की‌ पढ़ाई इलाहाबाद विश्वविद्यालय से की

1964 से 1997 तक कैम्ब्रिज यूनिवर्सीटी में हिन्दी अध्यापन

हिन्दी साहित्य के इतिहासकार के साथ भाषा विज्ञानी, व्याकरण‌विद्वान, अनुवादक

1972 में हिन्दी‌ व्याकरण पर ''एन आउट्लाइन ओफ़्हिन्दी ग्रामर'' नामक किताब की रचना

हिन्दी‌- अंग्रेजी शब्द कोश की रचना

**4. पीटर वरान्निकोव (82 साल) रूस:**

राम चरितमानस का रूसी‌ में अनुवाद

दिल्ली स्थित सोवियत सूचना केन्द्र से संबद्ध

रूस में हिन्दी‌ सिनेमा की एक पत्रिका का विमोचन

**5. प्रोफेसर च्यांग चिंगख्वेइ (56 साल) चीन:**

25 बरसों तक पेइचिंग यूनिवर्सिटी के हिन्दी विभाग से संबद्ध एवं

वर्तमान में‌ यूनिवर्सिटी के सेन्टर फार इन्डियन स्टडीज के अधयक्ष

हिन्दी‌के महाकवि जयशंकर प्रसाद की‌कविता '' आँसू‌ '' के मर्मज्ञ

हिन्दी कहानियों‌के लेखक

न्यूयार्क में‌आयोजित आठवेण विश्व हिन्दी सम्मेलन में‌हिन्दी सेवा हेतु सम्मानित

**6. अकियो हागा (55 साल) जापान:**

जापानी एवं हिन्दी‌भाषा के विद्वान

भगवान बुद्ध में अटूट श्रद्धा व विश्वास

टोक्यो यूनिवर्सिटीआफ फारेन स्टडीज में अध्यापन

महात्मा गाँधी‌ अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा में विजिटिंग प्रोफेसर

**7. इमरे बँघा (55 साल) हंगरी:**

भारतीय कवि आनंदघन की कविता से प्रभावित एवं उनकी जीवनी लेखन

सनेह को मारग नाम की किताब की रचना

शांतिनिकेतन यूनिवर्सिटी से हिन्दी में पी एच डी

आक्स्फोर्ड यूनिवर्सिटी मे हिन्दी अध्यापन कार्य